"सुविचार"
गुरु आपको शिक्षा दे सकता है, उसका उपयोग कैसे करना है, ये आपके ऊपर निर्भर करता है

देश की आवाज

नवदेश टाइम्स

हरियाणा, उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड में प्रसारित

डाक पंजीकरण संख्या - HR/AB-140/21-23

वर्ष -1, अंक - 9 | TITLE CODE - HARHIN11384 , मासिक | रादौर, मई 2021 | https://navdeshtimes.com | पृष्ठ: 4, मूल्य : 5 रूपये

134ए पर बोले सीएम मनोहर लाल

अब राइट टू एजुकेशन के तहत मिलेगी गरीब बच्चों को शिक्षा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल शनिवार को रोहतक दौरे पर थे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में कई बदलाव किए गए हैं। अब 134ए की बजाय राइट टू एजुकेशन के तहत गरीब बच्चों को शिक्षा मिलेगी। माडल संस्कृति खोलने से बच्चों का सरकारी स्कूलों की तरफ रूझान बढ़ा है। मुख्यमंत्री शनिवार को भाली आनंदपुर स्थित नवनिर्मित सरकारी स्कूल का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री इसी स्कूल में पढ़े हैं। यहां स्कूली सहपाठियों से पुरानी यादें ताजा की और क्लास रूम में भी गए, जहां वो पढते थे। मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में छठी कक्षा का प्रवेश रिकार्ड भेंट किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के 1965 में इसी विद्यालय में छठी कक्षा में प्रवेश का रिकार्ड प्रदर्शित किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गेहूं व सरसों की फसल खरीदने के लिए प्राइवेट खरीदार एमएसपी से ज्यादा भाव दे रहे हैं। इसे किसानों में खुशी है। किसानों को एमएसपी से ज्यादा भाव मिल रहा है, इसलिए सरकार अबकी बार खरीद ही नहीं कर पा रही है। लेकिन सरकार के पास गेहूं का लगभग दो साल तक का स्टाक रखा हुआ है, इसलिए डर की बात नहीं है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने युवाओं का आह्वान किया कि वे मैनेजमेंट में लिये हुए प्रशिक्षण और हुनर का उपयोग उद्योगों के साथ साथ समाज व देश हित में भी करें। युवाओ को राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिले इस और भी विशेष ध्यान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा की शिक्षक एक टीम भावना से प्रबंधन प्रशिक्षण के साथ–साथ सरकार की जनहितैषी और गरीब उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी रिसर्च करें। मुख्यमंत्री ने भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक के 11वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने संस्थान के 300 से अधिक युवाओ को उपाधियां वितरित की और भारतीय प्रबंधन संस्थान के गुरुग्राम विस्तार परिसर का शिलान्यास भी किया।

स्कूलों में नहीं पहुंची किताबें, शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

नवदेश टाइम्स/कुलदीप सैनी

रादौर। राजकीय संस्कृति माडल स्कूलों में गरीब अभिभावकों पर जबरदस्ती 200 से 500 रुपये मासिक तथा 1000 रुपये दाखिला फीस लगाए जाने व शिक्षा सत्र का लगभग एक महीना गुजर जाने के बावजूद अभी तक स्कूलों में किताबों के स्कूलों न पहुंचने पर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ से रोष प्रकट किया है। मांगों को लेकर संघ का एक प्रतिनिधि मंडल खंड प्रधान मनीष तंवर के नेतृत्व में खंड शिक्षा अधिकारी से मिला। उनको ज्ञापन सौंपकर उक्त समस्याओं का समाधान करवाने की मांग की। इस दौरान सरकार व विभाग के खिलाफ रोष भी प्रकट किया गया। खंड प्रधान मनीष तंवर व खंड सचिव संदीप चानना ने कहा कि 20 अप्रैल को हुई बातचीत में बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला देने की बात कही गई थी। इसके लिए एसीएस ने सहमति दी गई थी। बावजूद इसके पत्र जारी किया जाता है कि सरकारी स्कूलों के गरीब छात्र– छात्राओं को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने के लिए सरकार स्वयं फीस वहन करेगी। ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र–छात्राएं सरकारी स्कूलों को छोड़कर प्राइवेट स्कूलों में दाखिला लें। अध्यापकों के रिक्त पड़े 40 हजार पदों को भरने की जरूरत ही न पड़े। बच्चे के दाखिले को परिवार पहचान पत्र (फैमिली आइडी) से जोड़ना बच्चे को पढ़ाई से वंचित रखने का कार्य सरकार कर रही है। जिस बच्चे का परिवार पहचान पत्र नहीं होगा उसका दाखिला नहीं होगा। जिले में दूसरे राज्यों से काम करने वाले हजारों परिवार है जिनका परिवार पहचान पत्र नहीं बन सकता उनके बच्चों का दाखिला नहीं हो सकेगा। इससे प्रवासी हजारों बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा से बाहर हो जाएंगे। मौके पर दिनेश तंवर, राकेश पांचाल, पुनीत बालियान, पवन कुमार, लक्ष्मी चोपड़ा, सोनिया वोहरा, सोनू, जसकुमार, रजविंद्र, पूनम उपस्थित थे।

मुगल शासकों ने देशवासियों पर किए बड़े अत्याचार–सीएम

करनाल। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मुगल शासकों ने देशवासियों पर बड़े अत्याचार किए। इन अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने में गुरूओं के बलिदान की अहम भूमिका रही। आजादी के 50–60 वर्ष बीतने के बाद भी विपक्ष की सरकारों ने गुरूओं के बलिदान व ऋषि–मुनियों की विचारधारा को युवा पीढ़ी तक नहीं पहुंचाया। हरियाणा सरकार ने संत महापुरूष विचार प्रसार योजना चलाकर महापुरूषों और गुरूओं की जयंती मनाने की परम्परा शुरू की है। उन्होंने गुरूओं के जीवन वृत्तांत व बलिदान की गौरव गाथा को आमजन तक पहुंचाने के लिए संग्रहालय बनवाने की घोषणा की। शनिवार को डेरा कार सेवा पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 24 अप्रैल को पानीपत में होने जा रहे गुरु तेगबहादुर के 400वें प्रकाशोत्सव को लेकर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि गुरूओं की जयंती मनाने का उद्देश्य उनकी विचारधारा को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है। सरकार ने जिला व राज्य स्तर पर जयंतियां मनाने की शुरूआत की है। महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास, संत कबीरदास तथा डा. आंबेडकर की जयंती मनाई गई। अब 400वां प्रकाश पर्व पानीपत में मनेगा।

डीसी के पाठन कौशल कार्यक्रम की पहल के मिलने लगे सकारात्मक परिणाम

राजकीय स्कूलों के बच्चे परम्परागत शिक्षा के साथ–साथ कौशल पाठन मे दिखा रहे है रूचि

नवदेश टाइम्स/यमुनानगर

उपायुक्त पार्थ गुप्ता की बच्चों को पठन से जोड़ने की पहल अब आगे बढ़ने लगी है। राजकीय स्कूलों के बच्चे अब स्कूली काम से अलग ज्ञानवर्धक किताबों को पढ़कर परम्परागत शिक्षा से ऊपर उठकर अपने कौशल को बढ़ाने का प्रयास कर रहे है। बता दे उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने सीएमजीजीए विपुल फ्लोर से बातचीत की, कि राजकीय स्कूलों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में कैसे और उन्नत किया जा सकता है। इसके परिणाम स्वरूप उपायुक्त ने जिला के राजकीय स्कूलों में पठन कौशल कार्यक्रम की शुरुआत करने का निर्णय लिया था। उपायुक्त को यह निर्णय लिए एक महीना ही हुआ, बच्चों में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहे है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 3 से आठवीं तक के सभी बच्चों को लाइब्रेरी में प्रतिदिन आधा या एक घंटा किताब पढ़ने के लिए दी जाती है जिसे बच्चे अध्यापक के मार्गदर्शन में पढ़ते हैं कुछ बच्चे कविता, कुछ बच्चे कहानियां या अन्य किताबों में रुचि दिखा रहे हैं और बच्चे किताबें पढ़ने के बाद अपनी कहानियों को सुबह प्रार्थना सभा में सुनाते हैं । इसके साथ–साथ सुबह की प्रार्थना सभा में हिंदी व इंग्लिश के 2–2 शब्द–अर्थ, आज का विचार, सामान्य ज्ञान के 2 प्रश्न, आज के समाचार प्रतिदिन शिक्षा विभाग के जिला कार्यालय से सभी क्लस्टर ग्रुप्स में भेजे जाते हैं जिन्हें अध्यापक ब्लैक बोर्ड पर लिखवा कर बच्चों से याद करवाते है। इस कार्यक्रम का बच्चों में काफी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। अब बच्चों में सामान्य ज्ञान, हिंदी व अंग्रेजी के शब्दार्थ याद करने की क्षमता इंप्रूव हो रही है।डीसी पार्थ गुप्ता द्वारा चलाया गया यह कार्यक्रम प्रशंसनीय है, इस कार्यक्रम को कुछ समय तक सीमित न रखकर पूरे सत्र के लिए रखा जाएगा इतना ही नही डीसी ने टाइम टेबल में भी इसका एक पीरियड रखे जाने की सिफारिश की है ताकि स्कूलों के बच्चों मे पाठन करने की क्षमता बढ़ती रहे। उन्होंने कहा कि अभी यह शुरुआत है आने वाले समय में इसका बहुत ही सकारात्मक प्रभाव बच्चों में देखने को मिलेगा। इस कार्यक्रम से बच्चों में स्वयं लिखने व पढ़ने की प्रतिभा भी उजागर हो रही है

भीषण गर्मी की मार से हरा चारा भी हो रहा प्रभावित, गहरा सकता है हरे चारे का संकट

पशुपालकों ने कहा पड़ रही दोहरी मार

नवदेश टाइम्स/कुलदीप सैनी

रादौर। अप्रैल में ही गर्मी लोगों के पसीने छुड़ा रही है। ऐसे में मई और जून में पड़ने वाली भीषण गर्मी के बारे में सोच कर आम जन अभी से बेहाल है। वही मौसम में लगातार गर्मी व लू के बढ़ते प्रकोप ने हरे चारे पर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। किसानो की माने तो गर्मी से उनकी हरे चारे की फसल सुखने लगी है। उन्होंने कहा की अप्रैल की गर्मी में ही फसल का ये हाल है, तो मई और जून की गर्मी में हरे चारे का संकट गहरा सकता है।

पशुपालकों पर पड़ रही दोहरी मार

क्षेत्र के गांव संधाला के किसान अमरजीत ने बताया कि इस वर्ष किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ जहां इस बार सूखे चारे के दाम आसमान छू रहे है। वही अब मौसम की मार से हरा चारा भी सूखने लगा है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों के पास अपनी भूमि है वे, तो जैसे कैसे कर अपने पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था कर लेंगे, लेकिन जो किसान मार्किट से चारा खरीद कर पशुपालन का कार्य करते है उन्हें इस बार महंगा चारा खरीदना पड़ सकता है।

पशुपालन का कार्य करना हुआ मुश्किल

गांव गुमथला के पशुपालक सतनाम सिंह का कहना है की इस वर्ष पहले ही सूखे चारे की कीमतों में आई तेजी से उन्हें जूझना पड़ा था, वही अब गर्मी के कारण उनकी हरे चारे की फसल भी लगातार सूखती जा रही।

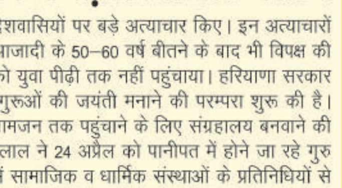

उनका कहना है की अगर मौसम में आगे भी गर्माहट बढ़ती है तो इस वर्ष पशुओं लिए हरे चारे का संकट गहरा सकता है। जिस कारण पशुपालकों को पशुओं को सूखे चारे में मिक्स्चर आदि मिलाकर देने पर मजबूर होना पड़ेगा।

खेत में सिंचाई करते रहे किसान

इस बारे खंड कृषि अधिकारी डॉ. राकेश अग्रवाल ने माना की इस समय भीषण गर्मी के कारण हरे चारे के सूखने की समस्या आ रही है। जिसके लिय उन्होंने किसानो को फसल में सुबह और शाम को सिंचाई करने की सलाह दी है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा की किसान दोपहर के समय सिंचाई करने से बचे क्योकिं दोपहर में सिंचाई करने से पानी गर्म हो जाता है और फसल पर इसका ज्यादा दुष्प्रभाव पड़ता है।

मई माह में अक्षय तृतीया, चंद्र ग्रहण के साथ पड़ने वाले हैं कई व्रत–त्योहार

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के साथ मई माह की शुरुआत हो रही है। इस माह कई बड़े व्रत–त्योहार पड़ रहे हैं। इसके साथ ही मुंडन, ग्रह प्रवेश

आदि के लिए काफी शुभ मुहूर्त है। माह की शुरुआत में ही अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती के साथ हो रही है। इसके अलावा मई माह में चतुर्थी, गंगा सप्तमी, सीता नवमी, अपरा एकादशी, चंद्र ग्रहण, मासिक शिवरात्रि, कालाष्टमी, वृक्ष संक्रांति, वैशाख पूर्णिमा, नरसिंह जयंती जैसे कई व्रत त्योहार पड़ रहे हैं। जानिए मई माह में पड़ने वाले सभी व्रत–त्योहारों की तिथि के साथ कौन–कौन से बन रहे हैं शुभ मुहूर्त।

मई 2022 में पड़ने वाले व्रत त्योहार

3 मई, मंगलवार– मातंगी जयंती , परशुराम जयंती , रोहिणी व्रत , अक्षय तृतीया

4 मई, बुधवार– वरद चतुर्थी

8 मई, रविवार– गंगा सप्तमी

12 मई, गुरुवार– मोहिनी एकादशी

13 मई शुक्रवार– प्रदोष व्रत (शुक्ल)

15 मई, रविवार– वृक्ष संक्रांति

16 मई, सोमवार– वैशाख पूर्णिमा, चंद्र ग्रहण

19 मई, गुरुवार– संकष्टी चतुर्थी

22 मई, रविवार–कालाष्टमी

26 मई, गुरुवार– अपरा एकादशी

25 मई, बुधवार– नरसिंह जयंती

27 मई, शुक्रवार– प्रदोष व्रत (कृष्ण)

28 मई, शनिवार– मास शिवरात्रि

30 मई, सोमवार– ज्येष्ठ अमावस्या, शनि जयंती, वट सावित्री व्रत

मई महीने के शुभ मुहूर्त

विवाह – 2 मई, 3 मई, 9 मई, 10 मई, 11 मई, 12 मई, 13 मई, 20, 24, 26 और 31 मई

मुंडन – 6, 18 और 26 मई

मई माह में नामकरण करने का शुभ मुहूर्त – 3 मई, 4 मई, 5 मई, 8 मई, 12 मई, 13 मई, 16, 25 और 26 मई

गृहप्रवेश – 2, 11, 12, 13, 14, 16, 20, 25, 26 और 30 मई

वाहन/प्रॉपर्टी खरीदने का शुभ मुहूर्त– 6,7,1,11,15,16,19,24,25,26 और 31 मई

अन्नप्राशन – 6, 13, 20, 25 और 27 मई

उपनयन – 5, 6, 13 और 20 मई

सपने में इस तरह के फूल दिखने से मिलते हैं शुभ समाचार

हर कोई सोने के बाद सपने जरूर देखता है। किसी को सपने याद रहते हैं तो कई लोग सपनों को भूल जाते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, हर एक सपने का शुभ या अशुभ मतलब है। कई बार सपने में हम विभिन्न तरह के फूलों को देख लेते हैं तो सोचते हैं कि वास्तव में इसका क्या मतलब होगा। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में फूलों के दिखने का भी शुभ या फिर अशुभ मतलब होता है।

कमल का फूल

सपने में कमल का फूल देखना शुभ माना जाता है। कमल के फूल में मां लक्ष्मी विराजमान रहती हैं। इसलिए इस फूल का सपने में दिखना शुभ संकेत माना जाता है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में व्यक्ति को ध न लाभ मिलने वाला है।

चमेली का फूल

चमेली का फूल सपने में दिखना शुभ माना जाता है। सपने में इस फूल के दिखने का मतलब है कि आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव होने वाला है। नई खुशियां जल्द ही दस्तक देने वाली है।

गुलाब का दिखना

सपने में गुलाब के दिखने का मतलब है कि आपके जीवन में बहार आने वाली है। मान –सम्मान के साथ आर्थिक स्थिति सही होने वाली है। आपके अटके कार्य पूरे होने के साथ उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने वाला है।

मोगरा का फूल

सपने में मोगरे का फूल देखने का मतलब शुभ माना जाता है। आने वाले समय में आपको घर–परिवार या फिर ऑफिस में सम्मान मिलने वाला है।

गेंदे का फूल

सपने में गेंदे का फूल देखना भी शुभ माना जाता है। सपने में इस फूल के दिखने का मतलब है कि आने वाले समय में आपके हाथों को बड़ा काम होने वाला है। इसके अलावा सपने में पीले रंग का कोई भी फुल दिखना शुभ संकेत देता है।

फूलों का बाग देखना

अगर आप सपने में विभिन्न तरह के फूलों के साथ हरा भरा बाग देखते हैं तो इसका मतलब है कि आपके जीवन में सुख–शांति आने वाली है। आपको हर मुश्किल से छुटकारा मिलने वाला है।

सुखी वैवाहिक जीवन पाने के लिए शुक्रवार को करें ये अचूक उपाय

हर युवक–युवती की शादी को लेकर ढेरों सपने होते हैं। खुशहाल वैवाहिक जीवन की इस नाजुक की डोर को संभालने की हर तरह से जतन करते हैं। लेकिन इसके बावजूद कई बार शादीशुदा जिंदगी में कई तरह की परेशानियां आकर खड़ी हो जाती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कई बार पति–पत्नी की ग्रह दशा, कुंडली का न मिलना, आपसी समझ की कमी सहित कई कारण हो सकते हैं। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लाल किताब में कई उपाय बताए गए हैं। जिन्हें अपनाकर दांपत्य जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी की बुरी नजर लग गई है तो नजर दोष से छुटकारा पाने के लिए शुक्रवार को एक मिट्टी के दीपक में दो कपूर के टुकड़े रखकर जला लें। इसके बाद इसे पूरे घर में दिखाते हुए बाहर कर दें। इससे फिर दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ जाएगी। अगर जीवनसाथी का स्वास्थ्य हमेशा खराब रहता है। एक बीमारी से पीछा छूटा नहीं कि दूसरी घेर लेती है तो शुक्रवार के दिन एक कटोरी जौ से बना हुआ सत्तू लें और इसे रोगी को छूआकर किसी को दान कर लें। इससे आपका जीवनसाथी जल्द ही सही हो जाएगा। घर की कलह को दूर करने के लिए शुक्रवार को माता लक्ष्मी के मंदिर जाकर उनकी विधि–विधान से पूजा करें। इसके साथ ही घी का दान करें। मां लक्ष्मी के आशीर्वाद से घर में हमेशा सुख–शांति बनी रहेगी।

शादी से पहले करें ये उपाय

अगर अभी आपको अच्छे जीवनसाथी की तलाश है तो शुक्रवार के दिन शुक्राचार्य के इस मंत्र का 108 बार जाप करें– ध द्रां द्रीं द्रौं सरू शुक्राय नमरू। इसके साथ ही किसी मंदिर में जाकर इत्र दान कर दें। इससे आपको अच्छा जीवनसाथी मिलेगा और दांपत्य जीवन सुखी बीतेगा।

बेटी की विदाई के समय पीतल के बर्तन में पानी लेकर और उसमें थोड़ी हल्दी और एक तांबे का सिक्का डाल दें। इसके बाद बेटी के ऊपर से सात बार उतार कर फेंक दें। इससे बेटी का वैवाहिक जीवन हमेशा खुशहाल रहेगा।

भूलकर भी इस दिशा में न लगाएं आर्टिफिशियल फूल

वास्तु के अनुसार, प्रकृति आग, पृथ्वी, लकडी, पानी और धातु जैसे प्राकृतिक तत्वों से मिलकर बनी है। प्राकृतिक पौधों में लकड़ी, पानी और पृथ्वी होता है। इसलिए ऐसे पौधे आपके घर की वास्तु को संतुलन में रखने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं कुछ पौधों को घर में रखने से भाग्य और समृद्धि में भी बढोतरी होती हैं। वहीं दूसरी ओर सिंथेटिक चीजों से बने नकली पौधे घर के वास्तु पर बुरा असर डालते हैं। जो वास्तु दोष का कारण बन जाते हैं। क्योंकि ये आपके घर की सजावट में एक अलग ही तत्व जोड़ देते हैं। अगर आप अपने घर की प्राकृतिक ऊर्जा को संतुलित रखना चाहते हैं तो कृत्रिम पौधों के बजाय असली पौधों का उपयोग करें। लेकिन अगर आप प्राकृतिक फूल–पौधे नहीं लगा सकते हैं तो आर्टिफिशियल पौधे लगाते समय जरूर ध्यान रखें ये बातें।

इस दिशा में न रखें आर्टिफिशियल फूल

वास्तु के अनुसार, जिस तरह से हर एक चीज को रखने की दिशा निर्धारित होती है। उसी तरह आर्टिफिशियल फूल–पौधों को भी हर जगह नहीं रखना चाहिए। क्योंकि इससे भी नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है और वास्तु दोष के कारण बनते हैं। वास्तु के अनुसार, कभी भी आर्टिफिशियल फूल को दक्षिण दिशा में नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा सीढ़ियों में आर्टिफिशियल फूल नहीं लगाना चाहिए। इससे निगेटिव एनर्जी उत्पन्न होती है जिसके कारण वहां रहने वाले लोगों की करियर और उन्नति में बाधा आती है।

कैसे करें बृहस्पतिवार व्रत की शुरुआत

हिंदू शास्त्रों के अनुसार, हर एक दिन किसी न किसी देवी–देवता को समर्पित होता है। इसी तरह गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और गुरु बृहस्पति देव को समर्पित है। गुरु बृहस्पति भगवान विष्णु के ही स्वरूप माने जाते हैं। इस दिन विधि–विधान से बृहस्पति देव की पूजा करने से हर तरह के कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर कुंडली में बृहस्पति की स्थिति खराब है तो आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, विवाह में रुकावट आना या फिर आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए बृहस्पति देव की स्थिति को ठीक करने के लिए गुरुवार का व्रत रखना शुभ माना जाता है।

कब से शुरू करना चाहिए बृहस्पति देव का व्रत

शास्त्रों के अनुसार, किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष के पहले गुरुवार से व्रत रखा जा सकता है। इसके साथ ही अगर गुरुवार के साथ पुष्य नक्षत्र का संयोग हो तो उस दिन भी व्रत शुरू कर सकते हैं। इसके बाद आप अपनी श्रद्धा के अनुसार 5, 7, 11, 16 या फिर साल के हिसाब से व्रत रख सकते हैं। व्रत पूरे होने के बाद पारण जरूर करें।

गुरुवार का व्रत की पूजा विधि

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें और पीले रंग के सूखे कपड़े पहन लें। इसके बाद भगवान बृहस्पति का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान बृहस्पति की पूजा विधि–विधान से करें। इसके साथ ही केले की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि केले में बृहस्पति देव का वास है। इसलिए इस दिन जल अर्पण करना चाहिए। वहीं बृहस्पति देवी की पूजा में पीले फूल, हल्दी, पीले चावल, मुनक्का, गुड़, चने की दाल आदि आदि का भोग लगाएं और घी का दीपक, धूप जला लें। इसके बाद श्रद्धा के साथ बृहस्पतिवार देव की व्रत कथा का पाठ करें। इस दिन पूरे बिना अनाज खाएं व्रत रखें और शाम के समय पीले चीजों का सेवन कर लें। लेकिन केले का सेवन नहीं करना चाहिए। भोजन करने से पहले भगवान को स्मरण करते हुए गुड़ और चने की दाल को प्रसाद के रूप में खाएं।

नहाने के बाद बिल्कुल भी न करें ये चार गलतियां, वरना हो जाएंगे कंगाल

घर के वास्तु दोष का कारण केवल दिशा या वहां रखी हुई चीजें ही नहीं होती हैं बल्कि आपके द्वारा अपनाई जा

रही कुछ आदतों भी हो सकती हैं। अक्सर हम दिनचर्या के कामों में कुछ ऐसे में काम भी कर देते हैं जिनके बारे में हमें ज्यादा पता नहीं होता है कि यह भी वास्तु दोष और आर्थिक तंगी के कारण बन सकते हैं। इन्हीं में से एक है नहाने के बाद बाथरूम को यूं ही छोड़ देना। वास्तु के अनुसार, स्नान करके तो हर कोई खुद को पूरी तरह शुद्ध कर लेता है। लेकिन जब बात घर के वास्तु की आती हैं तो बाथरूम में कुछ चीजों को यूं ही छोड़ देना नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने का काम करने लगती है। जानिए ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में जिन्हें तुरंत बदलना बेहद जरूरी है।

स्नान के बाद कपड़े छोड़ देना

कई लोगों की ऐसी आदत होती हैं कि नहाते समय गीले कपड़े करते हैं और उन्हे वहीं छोड़ देते हैं कि बाद में धो लेंगे। लेकिन वास्तु के अनुसार, ऐसा करना आपके सूर्य को कमजोर करता है। इसलिए नहाने के बाद गीले कपड़ों को बिल्कुल भी छोड़कर ना आएं। बल्कि स्नान करने से पहले ही धो लेना चाहिए। वरना सूर्य कमजोर होने से जातक के मान–सम्मान में कमी आएगी। इसके साथ ही धन हानि और कई संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है।

बाथरूम में टूटे बाल छोड़ देना

अगर आप भी नहाने के बाद टूटे हुए बाल नाली में ही छोड़ देते हैं तो तुरंत ही इस आदत को बदल डालें। क्योंकि यह भी आर्थिक तंगी का एक कारण बन सकता है। वास्तु के अनुसार बाथरूम में टूटे हुए बाल छोड़ने से शनिदेव के साथ–साथ मंगल भी क्रोधित हो जाता है। जिसके कारण धन हानि के साथ–साथ करियर में भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए नहाने के साथ ही टूटे बालों को कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए।

बाथरूम गंदा छोड़ देना

कई लोगों की आदत होती हैं कि खुद को साफ कर लिया लेकिन बाथरूम में गंदा पानी जस का तस पड़ा रहता है। वास्तु के अनुसार ऐसा करना गलत बात है। क्योंकि इससे राहु और केतु के साथ–साथ शनि ग्रह भी नाराज हो जाते हैं। जिसके कारण इन तीनों ग्रहों के दुष्प्रभाव तेजी से बढ़ जाते हैं। इसलिए नहाने के तुरंत बाद बाथरूम को भी साफ कर देना चाहिए, जिससे आपको आर्थिक हानि का सामना न करना पड़े।

नहाने के बाद इस तरह रखें बाल्टी

अधिकतर लोगों की आदत होती है कि नहाने के बाद बाल्टी में बचे पानी को यूं ही छोड़ देते हैं या फिर खाली करके रख देते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा नहीं करना चाहिए। नहाने के तुरंत बाद गंदे पानी को फेंक कर साफ पानी भर देना चाहिए। अगर आपको पानी भरकर नहीं रखना है तो उल्टी करके बाल्टी रख दें। इससे वास्तु दोष की समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

सिर्फ सही शैम्पू ही काफी नहीं, बालों को धोने का तरीका भी सहीं होना चाहिए

कुछ लोग हेयर वॉश के दौरान सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं, जबकि कंडीशनर का इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए आप अपनी हथेली पर थोड़ा कंडीशनर लें और उसे हेयर लेंथ पर लगाएं। ध्यान रखें कि कभी भी कंडीशनर को स्कैल्प पर ना लगाएं। हेयर केयर का सबसे पहला और जरूरी स्टेप है बालों को वॉश करना। हम सभी बचपन से ही अपने बालों को वॉश करते हैं। यह स्कैल्प में किसी भी तरह के बिल्ड अप व गंदगी से छुटकारा दिलाने में मदद होता है। इतना ही नहीं, इससे आपके बाल अधिक सिल्की व शाइनी दिखते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बालों को वॉश करने का भी अपना एक तरीका होता है और अगर बालों को सही तरह से वॉश ना किया जाए तो इससे उन्हें फायदा कम और नुकसान अधिक होता है। तो चलिए जानते हैं बाल धोने का क्या हो सही तरीका.

पहले चुनें शैम्पू

यह बालों को वॉश करने का सबसे पहला और जरूरी स्टेप है। आपके बालों को वॉश करने से मैक्सिमम लाभ हो, इसके लिए जरूरी है कि आप अपने हेयर टाइप व हेयर कंसर्न के अनुसार शैम्पू को चुनें। गलत शैम्पू के इस्तेमाल से बाल डैमेज होते हैं।

शैम्पू को करें डायलूट

हेयर केयर एक्सपर्ट के अनुसार, जब भी आप बालों को शैम्पू करें तो पहले उसे पानी में डायलूट अवश्य करें। कुछ लोग सीधे ही बालों में शैंपू लगा लेते हैं, जिससे ना केवल प्रॉडक्ट

अधिक लगता है, बल्कि इससे बालों पर भी विपरीत असर होता है।

यूं करें अप्लाई

बालों पर शैम्पू अप्लाई करके उंगलियों के पोर्स की मदद से हल्के हाथों से चार.पांच मिनट मसाज करें। ध्यान रखें कि इस दौरान आपको नाखूनों का इस्तेमाल नहीं करना है और ना ही बालों को जोर से रगड़ना है। दरअसल, इस समय बाल काफी कमजोर होते हैं और उन्हें जोर से रगड़ने से हेयर फॉल की समस्या हो सकती है।

गुनगुने पानी का करें इस्तेमाल

अब आप गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हुए बालों को वॉश कर लें। इसके बाद, आप हाथों की मदद से अतिरिक्त पानी को निचोड़ लें।

कंडीशनर है जरूरी

कुछ लोग हेयर वॉश के दौरान सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं, जबकि कंडीशनर का इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए आप अपनी हथेली पर थोड़ा कंडीशनर लें और उसे हेयर लेंथ पर लगाएं। ध्यान रखें कि कभी भी कंडीशनर को स्कैल्प पर ना लगाएं। दो.तीन मिनट रूकें और फिर ठंडे पानी से बालों को वॉश करें। ध्यान रखें कि ठंडा पानी आपके स्कैल्प के पोर्स को क्लोज करता है, जिससे ना केवल मॉइश्चर बना रहता है, बल्कि कोई भी गंदगी स्कैल्प के भीतर तक नहीं पहुंचती।

परिणीति चोपड़ा जैसा स्मोकी आई लुक चाहिए, तो फालों करें ये स्टेप्स

स्मोकी आई लुक ऐसा मेकअप लुक है, जो सभी को पसंद आता है। इसे आप चारकोल टोन्स के साथ पा सकते हैं, या फिर दूसरे रंगों के साथ एक्सपेरीमेंट भी कर सकती हैं। इन्हीं में से एक है मेटैलिक ब्राउन स्मोकी आई, जिसमें कुछ समय पहले परिणीति चोपड़ा नजर आई थीं। परिणीति के इस लुक के पीछे सिलेब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट दिव्या चबलानी हैं। जिन्होंने इस लुक को लाल रंग के आउटफिट को देखते हुए किया। स्मोकी आई करते समय, अधिक मेटैलिक टोन होने से आंख ऊपर उठती है जब आई लिड के पास जगह कम हो तो वहां हल्के रंगों का उपयोग किया जाना चाहिए। आई सोकेट्स में गहरे रंगों का उपयोग किया जा सकता है, अगर ब्रो–बोन हेवी है। आईब्रो पर हाइलाइट न लगाएं। अगर आप आंखों पर डार्क मेकअप कर रही हैं, तो होंठों को न्यूड रखें। तो आइए जानें कि स्मोकी आईज कैसे किया जा सकता है। परिणीति चोपड़ा की तरह आप भी पा सकती हैं मेटैलिक आई लुक

1. आई मेकअप से पहले आंखों को तैयार करने के लिए शारलेट टिलबरी मैजिक आई रेस्क्यू प्राइमर को आंखों के आसपास लगाएं।
2. उसके बाद शनेल करेक्टर के एप्रीकॉट शेड का इस्तेमाल करें। इसे आंखों के नीचे और ऊपर लगाएं। इसके बाद इस पर मेकअर फोरेवर के ट्रांसलूसेंट एचडी पाउडर का इस्तेमाल करें।
3. आईलिड पर गोल्ड आइशैडो या फिर हूडा ब्यूटी न्यूड पैलेट से ग्लिटर पिगमेंट लगाएं।
4. आई–सोकेट पर ब्राउन शैडो का इस्तेमाल करें। ड्रॉप शैडो के लिए कॉफी ब्राउन रंग का आइशैडो लगाएं। मेकअप ब्रश की मदद से इसे अच्छी तरह ब्लेंड कर लें।
5. लैश लाइन के लिए डीप ब्राउन शैडो लगाएं।
6. आंखों की अंदर की तरह आप शिमरी हल्के रंग का आइशैडो इस्तेमाल कर सकती हैं।
7. आखिर में मस्कारा का डबल कोट लगाएं और आपका स्मोकी लुक तैयार है।

कॉफी को स्वस्थ बनाने के तरीके खोज रहे हैं, तो अपनाएं ये ट्रिक्स!

एक कप गर्म कॉफी को न कहना कुछ लोगों के लिए काफी मुश्किल होता है। कुछ लोगों के लिए तो कॉफी दिन की शुरुआत का एक जरूरी हिस्सा बन गई है। माना जाता है कि कॉफी एक ऐसा जादुई अमृत है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा को तरोताजा कर देता है। लेकिन कई बार बहुत अधिक कॉफी का सेवन आपके शरीर को कई तरह से नुकसान भी पहुंचा सकता है। अगर आप अधिक कैफीन युक्त कॉफी पीते हैं, तो आपको बेचैनी, पेट खराब, मतली या उल्टी जैसी कई समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में सवाल ये उठता है कि क्या हेल्दी ट्विस्ट के साथ भी कॉफी का आनंद लिया जा सकता है? आइए जानते हैं इस आर्टिकल में...

हेल्दी रियल बीन– अगर आप कॉफी के शौकीन हैं और दिन में कई बार कॉफी पीना पसंद करते हैं, तो हेल्दी रियल बींस का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव नहीं डालेगा।

दालचीनी– यह एक और तरीका है जिसकी मदद से आप अपनी कॉफी को स्वस्थ बना सकते हैं। अपनी कॉफी में एक चुटकी सीलोन दालचीनी मिला दें। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो आपके दिल के साथ–साथ दिमाग की भी रक्षा करता है।

कच्चा कोको– कॉफी में एक चुटकी कोको मिलाने से वह काफी स्वादिष्ट बनेगी और इसके स्वास्थ्य लाभ भी बढ़ेंगे। कोको एंटीऑक्सीडेंट और आयरन से भरपूर होता है।तो जाहिर है ये आपके शरीर के लिये फायदेमंद है।

चीनी को रखें दूर– अगर आप अपनी कॉफी को स्वस्थ रखना पसंद करते हैं, तो इसमें किसी भी प्रकार की चीनी का इस्तेमाल करना छोड़ दें। कॉफी को बिना किसी मीठे के लें।

आर्टिफिशियल फ्लेवर से बचें– ज्यादा फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप वाले किसी भी स्वाद का उपयोग न करें। आमतौर पर, लोग इसे भोजन या ड्रिंक्स के स्वाद को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह स्वस्थ नहीं होता।इसलिए इसके इस्तेमाल से बचें।

नींद में खलल– अगर कॉफी आपकी नींद को प्रभावित कर रही है, तो इससे बचें।

तब्बू ने शुरू की दृश्यम 2 के गोवा शेड्यूल की शूटिंग

एजेंसी

बॉलीवुड की एक्ट्रेस तब्बू ने अपनी आगामी फिल्म दृश्यम 2 की शूटिंग

शुरू कर दी है, फिल्म की शूटिंग शुरू करने की जानकारी अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर कर दी है। एक्टेस द्वारा शेयर इस तस्वीर में एक क्लैप बोर्ड नजर आ रहा है, जिसमें फिल्म का नाम और फिल्म की शूटिंग के बारे जानकारी दी गई है। इस तस्वीर को तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा, पहला दिन दृश्यम 2। जानकारी के अनुसार एक्ट्रेस ने अपनी इस सीक्वल फिल्म की शूटिंग गोवा में हुई की है। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन मुख्य भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जबकि फिल्म में श्रिया सरन और इशिता दत्ता भी नजर आने वाली हैं। भषेक पाठक के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अजय देवगन विजय सलगांवकर की भूमिका को फिर से निभाते हुए नजर आएंगे। वहीं, तब्बू भी अपनी इंपेक्टर ऑफ जरनल पुलिस की भूमिका को निभाती हुई नजर आएंगी। आपको बता दें कि 'दृश्यम 2' 19 फरवरी 2021 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'दृश्यम 2' का हिंदी रिमेक होगी। मलयालम फिल्म 'दृश्यम 2' में साउथ सुपर स्टार मोहन लाल ने मुख्य भूमिका निभाई है, जिन्हें इस रोल के लिए खूब सराहाना भी मिल रही है। बता दें, तब्बू को मंगलवार को रिलीज हुए भूल भुलैया 2 के ट्रेलर में देखा गया था, जिसमें वो रूह बाबा को मंजुलिका के फिर से लौट आने के बारे आगाह कर रही है। बताया जा रहा कि तब्बू इस सीक्वल फिल्म में अमीशा पटेल द्वारा निभाए किरदार को निभा रही हैं। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट को कई बार पोस्टपोन किया जा चुका है। पहले ये फिल्म 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ये 20 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। वहीं, बता अगर उनके वर्कफ्रंट की करें भूल भुलैया 2, दृश्यम 2 के अलावा अजय देवगन की फिल्म भोला में भी अहम भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी।

शाहिद कपूर की जर्सी की धीमी रफ्तार को देख राम गोपाल वर्मा ने बालीवुड पर दिया बड़ा बयान

एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी इन दिनों सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की रफ्तार धीमी दिख रही है। इसके दो कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण फिल्म जर्सी साउथ की फिल्म का हिंदी रीमेक और दूसरा कारण इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में बनी कन्नड़ फिल्म केजीएफ चौप्टर 2 का दर्शकों की ओर से ज्यादा पसंद करना है। बहुत से ट्रेंड एनालिस्ट इन दोनों वजह को जर्सी की धीमी रफ्तार के लिए जिम्मेदार मान रहे हैं। इस बीच मशहूर निर्माता–निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने जर्सी की धीमी कमाई और केजीएफ चौप्टर 2 की शानदार परफॉर्मेंस को देखते हुए अपनी राय दी है। साथ ही कहा कि साउथ की फिल्मों का हिंदी रीमेक बनाने से अच्छा है कि मूल फिल्मों को हिंदी में डब किया जाए। राम गोपाल वर्मा ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक के बाद एक कई ट्वीट किए हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, शहिंदी में जर्सी फिल्म का रीमेक एक विनाशकारी भाग्य का संकेत देता है, क्योंकि यह कई बार साबित हो चुका है कि

पुष्पा, आरआरआर और केजीएफ 2 जैसी डब फिल्में कहीं बेहतर कर रही हैं, अगर कंटेंट अच्छी है तो।श राम गोपाल वर्मा ने अपने अगले ट्वीट में लिखा, श्यदि तेलुगु से नानी की मूल जर्सी को डब करके रिलीज किया जाता तो निर्माताओं को केवल 10 लाख का खर्च आता, जबकि हिंदी में रीमेक की लागत 100 करोड़ की थी, जिसके परिणामस्वरूप भारी धन, समय, प्रयास और चेहरे का नुकसान हुआ है।

प्रेग्नेंट सोनम कपूर के लिए भाई हर्षवर्धन कपूर को सता रही हैं इस बात की चिंता

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर जल्द मां बनने वाली हैं। पिछले महीने खुद सोनम कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में खुलासा किया था। उन्होंने प्री प्रेग्नेंसी के फोटोशूट की तस्वीरों को शेयर करते हुए इस बात

की जानकारी दी थी। इसके बाद से कपूर परिवार में आने वाले नन्हें मेहमान को लेकर काफी उत्साह है। इस बीच सोनम के भाई अभिनेता हर्षवर्धन कपूर ने उनको लेकर बड़ी बात की है। उन्होंने मीडिया और लोगों से अपील की है कि प्रेग्नेंसी के समय उनकी बहन सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा की प्राइवेसी का पूरा ख्याल रखा जाए। इंडिया टुडे से बातचीत में हर्षवर्धन ने कहा, ष्मुझे लगता है कि यह अच्छा है कि हर कोई उसके बारे में जानना चाहता है, क्योंकि सोनम इतनी बड़ी शख्सियत है। तो जाहिर है, हर कोई उस खुशी को बांटना चाहता है। लेकिन साथ ही, मुझे लगता है कि यह दो लोगों के लिए एक बहुत ही अंतरंग और व्यक्तिगत अनुभव है और एक तरह से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि मुझे लगता है कि जब आप किसी से प्यार करते हैं और वे एक नई जिंदगी को जन्म देने वाले हैं, जिसे आप प्यार करते हैं, तो यह काफी पवित्र चीज होती है। यह पूरी दुनिया के लिए नहीं है, यह आपके लिए है। तो यह अच्छा होगा कि उन्हें थोड़ा स्पेस दिया जाए। सोनम ने बीते महीने मार्च में कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए फैंस को अपने पहले बच्चे के आने की खुशी के बारे में बताया था। तस्वीर में सोनम पति आनंद आहूजा की गोद में लेटी हुई नजर आ रही थीं और अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही थीं। सोनम कपूर और उनके पति आनंद ने बेबी बंप पर हाथ रखा हुआ था। पोस्ट को शेयर करते हुए सोनम कपूर ने कैप्शन में लिखा था, श्चार हाथ। तुम्हारी सबसे अच्छी परवरघ्शि के लिए जो हम कर सकते हैं। दो दिल। जो तुम्हारे साथ–साथ धड़केंगे, हमारा परघ्विार, जो तुम पर प्यार बरसाएंगे और सपोर्ट करेंगे। हम तुम्हारा स्वागत करने के लिए अब और सब्र नहीं कर पा रहे हैं। सोनम कपूर ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी और अब चार साल बाद दोनों पैरेंट्स बनने वाले हैं। जो उनके साथ ही पूरे कपूर फैमिली के लिए भी बड़ी खुशी है।

अक्षय कुमार से तुलना करने पर कार्तिक आर्यन ने दी प्रतिक्रिया

कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म उन्होंने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेता ने अक्षय कुमार और भूल

भुलैया की जमकर तारीफ की है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार इवेंट में कार्तिक आर्यन ने कहा, मैं इस फिल्म की तुलना नहीं कर सकता क्योंकि ये काफी बड़ी जिम्मेदारी है। मैं भूल भुलैया 1 में अक्षय कुमार के किरदार को प्यार करता हूं और मैं उन्हें देखकर बड़ा हुआ हूं। फिल्म की तुलना न करना बेहतर रहेगा, हमने इसको अपने तरीके से पूरा करने की कोशिश की है। ये नई फिल्म है इसमें बहुत सारे नए फैक्ट्स हैं। मुझे उम्मीद है कि लोग इसको अपने ही अंदाज में पसंद करेंगे और तुलना भी होगी। लेकिन मुझे उम्मीद है कि भूल भुलैया 2 को एक नई फिल्म के रूप में याद किया जाएगा। आपको बता दें, ये फिल्म साल 2007 में आई फिल्म अक्षय कुमार, विद्या बालन, परेश रावल और राजपाल यादव द्वारा अभिनीत फिल्म का सीक्वल है, जिसको प्रियदर्शनी ने निर्देशित किया था। लेकिन अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी भूल भुलैया 2 की कहानी भूल भुलैया से बिल्कुल बताई जा रही है। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म भूल भुलैया 2 में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी के अलावा सौरभ शुक्ला, राजपाल यादव भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। वहीं, ट्रेलर रिलीज होने के बाद फैंस अपने–अपने ट्विटर हैंडल पर कुछ फैंस एक ओर अक्षय कुमार और दूसरी ओर कार्तिक आर्यन की तस्वीर लगा कर पूछ रहे है कि, आपका पसंदीदा डॉ. आदित्य श्रीवास्तव है या रूह बाबा। आपको बता दें, इस फिल्म की रिलीज डेट को कई बार पोस्टपोन किया जा चुका है। पहले ये फिल्म 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ये 20 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी।

शाहिद कपूर पैसे खर्च करने से पहले लेते हैं मीरा राजपूत से परमिशन

शाहिद कपूर की हालिया रिलीज फिल्म जर्सी धीरे–धीरे बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार पकड़ रही है और कमाई के मामले अच्छा परफॉर्म कर रही है। फिल्म को लेकर शाहिद लगातार प्रामोशन कर रहे हैं। जिसके लिए उन्होंने कुछ इंटरव्यूज भी दिए हैं और फिल्म के साथ ही साथ उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी कई सारी बातें शेयर कीं। इस दौरान शाहिद ने यह भी बताया कि पैसे खर्च करने को लेकर उन्हें अपनी वाइफ मीरा से इजाजत लेनी पड़ती है। शाहिद कपूर ने कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में शादी के बाद अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बारे में बात की। पैसे खर्च करने को लेकर जब उनसे पूछा गया कि क्या वह पैसे बचाते है या फिर सब खर्च देते हैं ? तो एक्टर ने कहा, पहले ऑल आउट हो जाता था मैं, मगर अब नहीं। अब मैं एक फैमिली मैन हूं, मेरे बच्चे हैं, बीवी है। परमिशन लेनी पड़ती है, सोचना पड़ता है। हालांकि शाहिद ने यह भी बताया कि जब उन्हें अपने दोस्तों के साथ बॉयज ट्रिप पर जाना होता है तो वह कोई परमिशन नहीं लेते। उनके अनुसार हर व्यक्ति को कभी–कभी ऐसी ट्रिप मिलनी चाहिए। गौतम तिन्नानुरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जर्सी' इसी नाम की सुपरहिट तेलुगु फिल्म का हिंदी रीमेक है, जिसमें साउथ सुपरस्टार नानी मुख्य भूमिका में थे। तेलुगु फिल्म जर्सी का निर्देशन भी गौतम तिन्नानुरी ने ही किया था। जर्सी की कहानी एक असफल क्रिकेटर अर्जुन (शाहिद कपूर) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो पैसे के लिए अपनी पत्नी पर निर्भर है और हर कोई उसे लूजर की नजर से देखता है, लेकिन उसकी जिंदगी में एक समय ऐसा आता जब वह अपने बेटे को प्राउड फील कराने के लिए टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने का फैसला करता है। जर्सी में शाहिद कपूर के साथ मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक कुलदीप सैनी द्वारा हवाई प्रिन्टर्स नजदीक पुराना पोस्ट ऑफिस रादौर से मुद्रित तथा खेड़ा मोहल्ला वार्ड नम्बर 5, रादौर जिला यमुनानगर, हरियाणा से प्रकाशित।

सम्पादक - कुलदीप सैनी

सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र यमुनानगर होगा।